7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 गोरखपुर में तेंदुआ दहशत में लोग

5 जनता दर्शन में सीएम ने सुनी समस्याएं

8 भारत चैंपियंस का कमाल

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 06 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 04 अगस्त,2025

टैरिफ के बाद अब छह कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

ट्रंप ने भारत को दिया झटका

ट्रंप ने किया है भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान। टैरिफ के बाद कई भारतीय कंपनियों पर अमेरिका ने लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया। इतना ही नहीं उन्होंने भारत पर एक बड़ा जुर्माना भी लगाया। टैरिफ के बाद अमेरिका ने भारत को एक और बड़ा झटका दिया है।

दरअसल, अमेरिका की ट्रंप सरकार ने ईरान से तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के व्यापार में शामिल होने के आरोप में छह भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। बताया जा रहा है कि अमेरिका का यह कदम अधिकतम दबाव नीति का हिस्सा है। इसका उद्देश्य है कि ईरान में आर्थिक गतिविधियों को चोट पहुंचाई जा सके।

छह भारतीय कंपनियों पर ट्रंप प्रशासन का एक्शन

जानकारी दें कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय की माने को छह भारतीय कंपनियों को कार्यकारी आदेश (ई.ओ.) 13846 के तहत प्रतिबंधित किया गया है।

बताया जा रहा है कि अमेरिका का यह कार्यकारी आदेश ईरान के पेट्रोकेमिकल्स क्षेत्रों को टारगेट करता है। जानकारी दें कि ट्रंप प्रशासन ने उन देशों की कंपनियों को भी निशाना बनाया है, जो किसी न किसी तरीके से ईरानी तेल व्यापार से जुड़ी हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ गया है। इसके अतिरिक्त अमेरिका ने ईरान से तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के व्यापार में शामिल होने के आरोप में छह भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाकर भारत को एक और झटका दिया है।

इन देशों की कंपनियों पर भी लगा प्रतिबंध

अमेरिका के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि भारत, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की और इंडोनेशिया की कई कंपनियों को ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों की बड़ी मात्रा में बिक्री और खरीद के लिए प्रतिबंधित किया जा रहा है। वहीं, इस बयान में बताया गया है कि जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है, कोई भी देश या व्यक्ति जो ईरानी तेल या पेट्रोकेमिकल्स खरीदने का विकल्प चुनता है, वह अमेरिकी प्रतिबंधों के जोखिम में है और उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भारत की इन कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

कंचन पालिमर्स

ये कंपनी यूएई–आधारित तानाइस ट्रेलडग से फरवरी और जुलाई 2024 के बीच पालीइथाइलीन सहित 1 .3 मिलियन डालर से अधिक मूल्य के रानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात और खरीद की है।

अलकेमिकल साल्यूशंस

जानकारी दें कि यह एक पेट्रोकेमिकल ट्रेलडग कंपनी है, जिसने जनवरी और दिसंबर 2024 के बीच में कई कंपिनियों के साथ 84 मिलियन डालर से अधिक मूल्य के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात और खरीद की है।

रमणीकलाल एस गोसालिया एंड कंपनी

इस कंपनी ने साल 2024 और 2025 के मध्य में कई कंपनियों से मेथनश्वल और टोल्यूनि सहित 22 मिलियन डालर से अधिक मूल्य के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों का आयात और खरीद की है।

जुपिटर डाई केम प्राइवेट लिमिटेड

ये कंपनी भी जनवरी 2024 और जनवरी 2025 के बीच कई कंपनियों से 49 मिलियन डालर से अधिक मूल्य के टोल्यूनि सहित ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात और खरीद के लिए प्रतिबंधित सूची में है। इसके अलावा अमेरिका द्वारा ग्लोबल इंडस्ट्रियल केमिकल्स लिमिटेड और प्लसस्टेंट पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड भी पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। बताया जाता है कि इन दोनों कंपनियों ने भी 51 मिलियन डालर और 14 मिलियन डालर से अधिक का कारोबार किया है।

कलेक्ट्रेट में वकीलों और मजदूरों में मारपीट...

बार एसोसिएशन के मंत्री हुए चोटिल

गोरखपुर,संवाददाता। रास्ते को लेकर पिछले कई दिनों से विवाद चल रहा था। कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण के लिए कई जगहों पर बैरिकेडिंग की गई थी। अधिवक्ता इसका विरोध कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में कलेक्ट्रेट में शुक्रवार को सुबह 11 बजे के करीब काम कर रहे मजदूर और वकीलों में मारपीट हो गई। इसके बाद वहां अधिवक्ताओं ने जमकर हंगामा किया। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें अंदर जाने से रोका जा रहा था। विरोध पर ठेकेदार और उसके मजदूर ने एक अधिवक्ता से मारपीट की। हंगामे की सूचना के बाद एडीएम सिटी अंजनी कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने नाराज अधिवक्ताओं को समझने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद एसपी सिटी अभिनव त्यागी, एसपी नॉर्थ जितेंद्र श्रीवास्तव, सीओ गोरखनाथ रवि सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंची।

'दोस्त' ऐसा तो दुश्मन की क्या जरूरत! ट्रंप बोले– एक दिन भारत को तेल बेचेगा पाक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ एक बड़े व्यापारिक करार की घोषणा की है जिसके तहत दोनों देश मिलकर पाकिस्तान में विशाल तेल भंडार विकसित करेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर तेल भंडारों को विकसित करेंगे। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चौंकाने वाला ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ एक बड़ा व्यापारिक करार किया है। इसके तहत दोनों देश मिलकर पाकिस्तान में 'विशाल तेल भंडार' विकसित करेंगे।

इससे पहले ट्रंप ने भारत पर टैरिफ को लेकर कहा था कि भारत मित्र देश हैं। हालांकि उन्होंने टैरिफ में किसी राहत से इनकार कर दिया था। अब ट्रंप पाकिस्तान के साथ अहृयल डील की बात कह रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे। हालांकि, यह साफ नहीं है कि ट्रंप किन तेल भंडारों की बात कर रहे हैं।

'पाक के साथ मिलकर विशाल तेल भंडार विकसित करेंगे'

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफहर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, "हमने पाकिस्तान के साथ एक करार किया है। इसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका मिलकर उनके विशाल तेल भंडारों को विकसित करेंगे।"उन्होंने यह भी कहा कि अभी यह तय हो रहा है कि कौन सी तेल कंपनी इस साझेदारी को लीड करेगी। पाकिस्तान अभी मध्य पूर्व से तेल आयात करता है ताकि उसकी ऊर्जा ज़रूरतें पूरी हों। लेकिन कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान के पास समुद्र में विशाल तेल भंडार हैं। ये तकनीकी कमी और पैसों की कमी की वजह से अभी तक इस्तेमाल नहीं हो सके। पाकिस्तान इन भंडारों को विकसित करने के लिए निवेश जुटाने की कोशिश में है। ट्रंप ने मजाक में कहा, "कौन जानता है, शायद एक दिन पाकिस्तान भारत को तेल बेचे।" पाकिस्तान की तरफ से इस करार पर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

सम्पादकीय

राहुल : आज के साथ भविष्य के नागरिकों की चिंता

अनुभवी लोग कहते हैं दर्द बांटने से कम होता है, खुशी बांटने से बढ़ती है। राहुल गांधी इस समय राजनीति के साथ–साथ मानवता की ऐसी ही मिसाल कायम करते जा रहे हैं। जब मई में राहुल गांधी पुंछ गए थे तो वे उस क्राइस्ट पब्लिक स्कूल भी गए थे, जहां पढ़ने वाले 12 साल के जुड़वां बच्चे उर्बा फातिमा और ज़ैन अल की पाक हमलों में मौत हो गई थी। राहुल गांधी पर एक बड़ी खबर मंगलवार को सामने आई। ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की तरफ से हुई गोलीबारी से जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में भारी तबाही मची थी। कई निर्दोष नागरिकों ने इन हमलों में अपनी जान गंवाई थी। पाकिस्तान के हमले और मोदी सरकार की लापरवाही ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है, कई बच्चे अनाथ हो चुके हैं। राहुल गांधी ने अब ऐसे 22 बच्चों की पढ़ाई–लिखाई का पूरा जिम्मा उठाया है। जम्मू–कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद कर्रा ने कहा है कि राहुल गांधी पुंछ के उन 22 बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्चा उठाएंगे जिन्होंने अपने दोनों माता–पिता पाक गोलीबारी में गंवा दिए थे। इन बच्चों की पढ़ाई का खर्च राहुल गांधी तब तक उठाएंगे, जब तक ये स्नातक नहीं हो जाते। इसके अलावा अगर कोई बच्चा इंजीनियरिंग या मेडिकल जैसे प्रोफेशनल कोर्सेस में प्रवेश लेता है, तो उसमें भी खर्च का जिम्मा राहुल गांधी ही उठाएंगे। गौरतलब है कि दो महीने पहले मई में राहुल गांधी ने पुंछ का दौरा किया था। उन्होंने तब अपने स्थानीय नेताओं से अपील की थी कि वे प्रभावित बच्चों की एक सूची तैयार करें, जिन्हें वाकई मदद की जरूरत है। उसके बाद ही राज्य कांग्रेस इकाई ने सरकारी रिकॉर्ड्स खंगाल कर, सर्वे कर सूची तैयार की। बुधवार को इन बच्चों के लिए मदद की पहली किस्त जारी भी कर दी गई है। जब राहुल पुंछ गए थे, उस वक्त के बहुत से वीडियो सामने आए, जिनमें वे उजड़े मकानों में गए, गली–गली घूमकर उन्होंने पुंछ के स्थानीय लोगों से उनका दर्द और डर दोनों साझा किया था। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, स्कूल सब जगह पाकिस्तान ने हमले किए थे। आम लोगों को निशाना बनाया था। अगर ऑपरेशन सिंदूर शुरु करने के साथ ही मोदी सरकार ने एहतियात बरती होती तो शायद मासूम लोगों की जान बचाई जा सकती थी। लेकिन सरकार ने सीमावर्ती इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर नहीं भेजा, जबकि संसद में प्रधानमंत्री मोदी ने ही दावा किया है कि 9 मई को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन्हें आगाह किया था कि पाकिस्तान बड़ा हमला करने वाला है। इसके जवाब में नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि अगर पाकिस्तान का ये इरादा है तो उसे बहुत महंगा पड़ेगा और हम उससे भी बड़ा हमला करेंगे और उसका जवाब देंगे। किसी की धमकी में न आना अच्छी बात है, लेकिन पाकिस्तान को क्या महंगा पड़ेगा और क्या सस्ता, इस बारे में बात करने से बेहतर होता कि श्री मोदी इस बात की चिंता करते कि देश के लोगों की जान कैसे खतरे में पड़ चुकी थी। पहलगाम में असावधानी का नतीजा भुगतने के बावजूद सीमावर्ती इलाकों में फिर वही असावधानी सरकार ने दिखाई। जिसका खामियाजा आम नागरिकों ने भुगता। इसके बाद भी सरकार को अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने विदेशी मीडिया की आलोचना करते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा है और इसमें भारत को हुए नुकसान की खबरें गलत हैं, हमारा एक कांच भी नहीं टूटा है। ऐसा ही दावा गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को संसद में किया कि मोदी सरकार जब से आई है जम्मू–कश्मीर के किसी नागरिक की जान हमले में नहीं गई है। देश का मीडिया सरकार का भोंपू बनकर ऐसी खबरों को इतना प्रचारित करता है कि लोग उसे ही सच मानने लगते हैं। लेकिन जो सामने घटा है, क्या उससे आंख मूंदी जा सकती है। अगर एक भी कांच नहीं टूटा या एक भी नागरिक की मौत नहीं हुई तो फिर राहुल गांधी के बाद खुद अमित शाह ने पुंछ का दौरा क्यों किया था। संसद में दो दिन तक जिस अंदाज में सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा चलाई उससे जाहिर हो गया कि पहलगाम घटना को भी श्री मोदी ने आपदा में अवसर की तरह ही लिया है। अपने प्रचार के लिए सेना की वर्दी पहनकर खुद के आदमकद पोस्टर नरेन्द्र मोदी ने देश भर में लगवाए, सिंदूर शब्द को लेकर बेतुकी बातें कीं, दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल को भेजने के लिए जनता के करोड़ों रूपए खर्च कर दिए। ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर समेत इस पूरे प्रचार–प्रसार के लिए जितना सरकारी धन खर्च किया, उसका थोड़ा सा हिस्सा पहलगाम पीड़ितों या अनाथ बच्चों पर खर्च किया जा सकता है, ऐसा खयाल भाजपा या प्रधानमंत्री के जेहन में नहीं आया होगा, क्योंकि उनकी निगाह लोगों के दर्द से ज्यादा दर्द का सियासी लाभ लेने पर रहती है। लॉकडाउन के समय पीएम केयर्स फंड बना लिया, लेकिन उसका भी हिसाब–किताब देने में आनाकानी होती रही। इस देश में प्राकृतिक आपदाएं या आतंकी घटनाएं, युद्ध सब अभी हो रहे हैं, इन सबका सामना भारत ने पहले भी किया है। पहले भी सरकारों से आकलन में या हालात संभालने में गलतियां हुई हैं। लेकिन ऐसा दुस्साहस किसी ने नहीं किया कि जिन घटनाओं में मासूम नागरिक मारे जाएं, उन पर भी राजनैतिक रोटी सेंकी जाए। अभी यही सब हो रहा है और ऐसे में राहुल गांधी के परोपकार या मानवीयता दिखाने वाले फैसले नयी उम्मीद बंधाते हैं। जब निर्भया कांड हुआ था, तब पीड़िता के इलाज की पूरी व्यवस्था तत्कालीन सरकार ने की थी, लेकिन उसके बाद पीड़िता के परिवार की सुध लेने का काम निजी तौर पर राहुल गांधी ने किया, निर्भया के भाई के पायलट बनने के सपने को साकार किया। रामचेत मोची की दुकान पर राहुल रुके थे और उनके हालात को समझा था। कुछ ही दिनों में रामचेत की दुकान पर जूते सिलने की नयी मशीन आ गई, अब उनका काम इतना अच्छा चल रहा है कि उन्होंने दिल्ली आकर अपने हाथों से बनाए जूते राहुल को भेंट किए और कहा कि भईया के कारण जिंदगी बदल गई। हरियाणा में किसानों के साथ राहुल ने काम किया, उनके घर की महिलाओं के हाथ का भोजन किया, उन्होंने दिल्ली आने की इच्छा जतलाई तो बाकायदा दिल्ली बुलाया और एक महिला के मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाया। अमेरिका में डंकी रूट से गए प्रवासी भारतीयों की तकलीफों को समझा, देश लौटकर उनके परिजनों से मिले, एक बच्चे की उसके पिता से बात करवाई। अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले बच्चों से मिले, उन्हें लैपटॉप दिया। ये कुछ गिनती के उदाहरण हैं, जिनमें राहुल ने लोगों की मदद की है। कितने लोगों की मदद तो राहुल गांधी ने चुपचाप की होगी, इसका पता भी नहीं, क्योंकि उनकी खबरें बाहर नहीं आईं। अनुभवी लोग कहते हैं दर्द बांटने से कम होता है, खुशी बांटने से बढ़ती है। राहुल गांधी इस समय राजनीति के साथ–साथ मानवता की ऐसी ही मिसाल कायम करते जा रहे हैं। जब मई में राहुल गांधी पुंछ गए थे तो वे उस क्राइस्ट पब्लिक स्कूल भी गए थे, जहां पढ़ने वाले 12 साल के जुड़वां बच्चे उर्बा फातिमा और ज़ैन अल की पाक हमलों में मौत हो गई थी। इन बच्चों के दोस्तो, सहपाठियों और बाकी बच्चों को अपने दो साथियों की अकाल मौत पर कैसा महसूस हो रहा होगा, इस पीड़ा को राहुल गांधी ने समझा। उन्होंने वहां बच्चों को हौसला बंधाया कि अभी सब ठीक नहीं है, लेकिन धीरे–धीरे सब ठीक हो जाएगा। राहुल गांधी ने बच्चों से कहा कि इस स्थिति से निपटने के लिए आपका एक ही तरीका होना चाहिए। खूब मन लगाकर पढ़ाई करें, जी भर कर खेलें और खूब सारे नए दोस्त बनाएं। आज के वक्त में बाल मनोविज्ञान को समझ कर युद्ध जैसे कठिन हालात में बच्चों को हौसला और उम्मीद बनाए रखने की सीख देना और इस तरह उन्हें सांत्वना देना कि मन में कड़वाहट बिल्कुल न आए, जब वे बड़े हों तो नफरत की जगह मोहब्बत से बात करना सीखें, ऐसा करने वाले लोग बिरले ही हैं। राजनीति में तो ऐसे लोग और कम हो चुके हैं। लेकिन अच्छा है कि राहुल गांधी आज के साथ–साथ भविष्य के नागरिकों की भी सुध ले रहे हैं।

विपक्ष के आगे पस्त दिखे प्रधानमंत्री

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरु हुई जो मंगलवार और बुधवार को भी जारी रही। लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों में इस विषय पर निस्संदेह विपक्ष ही सरकार पर हावी दिखा। जबकि सरकार के पास पूरा मौका था कि वह तथ्यों, आंकड़ों और पूरी जवाबदेही के साथ इस चर्चा में हिस्सा लेकर अपने अंक जनता के बीच बढ़वा लेती। सरकार ऐसा नहीं कर पाई, क्योंकि 22 अप्रैल के बड़े हमले के बावजूद उसकी दिलचस्पी इस मुद्दे पर सेना के किए कार्य का श्रेय लेने, सहानुभूति बटोरने और विपक्ष को घेरने में ज्यादा नजर आई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर भाषण दिया, तो उनकी तैयारी में कमी नजर आई। मंगलवार को ही प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के भी भाषण हुए। दोनों के भाषण अलहदा थे, लेकिन एक जैसे शानदार थे। जहां प्रियंका गांधी के भाषण में दुख और भावुकता नजर आई, वहीं राहुल गांधी के भाषण में नए तरह की आक्रामकता दिखी।

इसके साथ ही राहुल गांधी ने जिस तरह आतंकवाद के खतरों, युद्ध के बदलते तरीकों, विदेश नीति में विचलन और इन सबकी वजह से कमजोर पड़ते भारत की चिंता पर चर्चा की, उसके जवाब में नरेन्द्र मोदी ढंग की दो बात भी नहीं बोल पाए। चिंता राहुल गांधी पहले भी संसद में पाकिस्तान और चीन के एक साथ होने की चिंता व्यक्त कर चुके हैं, मंगलवार को फिर से उन्होंने इसे दोहराया और यह भी बता दिया कि पहले दुनिया के अन्य देश पाकिस्तान में आतंकवाद के पोषण पर चिंता व्यक्त करते थे, लेकिन पहलगाम हमले के बाद जिन देशों ने भारत के लिए दुख व्यक्त किया, उनमें से किसी ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की। यानी अब भारत और पाकिस्तान को एक पलड़े पर तौला जाने लगा है, यह गंभीर चिंता का विषय है। युद्ध के बदलते तरीकों पर भी राहुल गांधी ने सरकार को आगाह किया कि अब केवल दो पक्षों में युद्ध नहीं होता है, कई छिपी हुई परतें होती हैं। नयी तकनीकी के साथ दुश्मन की तैयारी रहती है। इसे समझने की जरूरत है। राहुल गांधी ने सदन को यह भी याद दिलाया कि अमेरिका किस तरह हमारी उपेक्षा कर रहा है। हमले के बावजूद अमेरिका ने जनरल असीम मुनीर को लंच पर बुलाया। उन्होंने नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी कि यदि उनमें इंदिरा गांधी जैसी हिम्मत का जरा सा भी हिस्सा है तो वे इस सदन में डोनाल्ड ट्रंप को झूठा कहें और बताएं कि युद्धविराम उनकी मध्यस्थता से नहीं हुआ। नरेन्द्र मोदी ऐसा नहीं कर पाए।

कई जानकारों का कहना है कि कूटनीति के अपने नियम होते हैं और किसी अन्य देश या नेता का नाम संसद में नहीं लिया जा सकता क्योंकि इससे देशहित जुड़े होते हैं। सामान्य परिस्थितियों में तो यह तर्क चल जाएगा। लेकिन जब डोनाल्ड ट्रंप ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक 30वीं बार वही दावा किया है कि युद्धविराम मैंने करवाया, तब क्या देशहित और सम्मान की खातिर प्रधानमंत्री को इस का खंडन नहीं करना चाहिए। अगर 10 मई को डोनाल्ड ट्रंप से पहले प्रधानमंत्री की तरफ से युद्धविराम की घोषणा हो जाती, तब शायद श्री मोदी ऐसा कर पाते। लेकिन हकीकत यही है कि देश को लड़ाई रुकने की जानकारी ट्रंप से ही मिली थी। मंगलवार को नरेन्द्र मोदी ने यह जरूर कहा कि हमें किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता मंजूर नहीं है और युद्धविराम के लिए किसी ने बीच–बचाव नहीं किया। लेकिन उन्हें फिर यह भी बताना चाहिए था कि डोनाल्ड ट्रंप ने जब उनसे पहले यह सूचना दुनिया को दी, क्या तब श्री मोदी ने कोई आपत्ति जताई थी कि अमेरिका ने हमारे देश के आंतरिक मामले में आधिकारिक बयान क्यों दिया। अमेरिका के अलावा चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ पर भी श्री मोदी ने कुछ नहीं कहा। क्योंकि अमित शाह की तरह उनका भी पूरा ध्यान कांग्रेस को घेरने में था। करीब सौ मिनट के भाषण में नरेन्द्र मोदी ने 14 बार तो पं.नेहरू का नाम ले लिया। हमला होते ही तुरंत जाकर मार देने को न्यू नार्मल बताया। रावण की याद दिलाने के लिए आतंकवाद की नाभि कहां है, जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। हमला हुआ, उसके फौरन बाद सऊदी अरब से लौटकर उन्होंने क्या किया यह बताया। लेकिन श्री मोदी यह नहीं बता पाए कि देश लौटते ही वे कश्मीर न जाकर बिहार क्यों गए।

प्राकृतिक व जैविक खेती ही समाधान

जुताई (मिट्टी को जोतना) से बचने वाली 'प्राकृतिक खेती' को आमतौर पर कम लागत वाली कृषि माना जाता है, क्योंकि इसमें 'बाहरी इनपुट' की आवश्यकता नहीं होती। 'जैविक खेती' को आमतौर पर प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है, जबकि 'प्राकृ तिक खेती' के लिए प्रमाणीकरण आवश्यक नहीं है। 'प्राकृतिक खेती' एक ऐसा व्यापक दृष्टिकोण है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, जबकि 'जैविक खेती' एक विशिष्ट प्रणाली है जो 'जैविक इनपुट' पर जोर देती है। प्राकृतिक खेती करने की योजना जलवायु परिवर्तन के लिहाज से खासी महत्वपूर्ण है। 'प्राकृतिक' और 'जैविक खेती' ऐसी कृषि पद्धति है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना उत्पादन बढ़ा सकती है। 'प्राकृतिक खेती' से कार्बन उत्सर्जन में 35फीसदी से 50फीसदी तक की कमी आ सकती है। 'प्राकृतिक खेती,' जिसे 'नो–इनपुट' या 'जीरो–बजट' खेती कहा जाता है, 'बाहरी इनपुट' (जैसे उर्वरक, कीटनाशक, यहां तक कि खाद) के उपयोग को कम या खत्म करने पर जोर देती है और इसकी बजाय प्राकृतिक प्रक्रियाओं, जैसे कि मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और केंचुओं द्वारा कार्बनिक पदार्थों के अपघटन को प्रोत्साहित करती है। जुताई (मिट्टी को जोतना) से बचने वाली 'प्राकृतिक खेती' को आमतौर पर कम लागत वाली कृषि माना जाता है, क्योंकि इसमें 'बाहरी इनपुट' की आवश्यकता नहीं होती। 'जैविक खेती' को आमतौर पर प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है, जबकि 'प्राकृ तिक खेती' के लिए प्रमाणीकरण आवश्यक नहीं है। 'प्राकृतिक खेती' एक ऐसा व्यापक दृष्टिकोण है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, जबकि 'जैविक खेती' एक विशिष्ट प्रणाली है जो 'जैविक इनपुट' पर जोर देती है। 'प्राकृतिक खेती' मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों को बढ़ाकर, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करती है और कार्बन डाइऑक्साइड को वातावरण से हटाकर मिट्टी में जमा करती है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बंद करने से 'ग्रीनहाउस गैसों' के उत्सर्जन को कम करने में मदद होती है। 'प्राकृतिक खेती' में मिट्टी की जल–धारण क्षमता में सुधार होता है, जिससे जल–संरक्षण होता है और सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं के प्रति लचीलापन बढ़ता है। 'प्राकृ तिक खेती' जैव–विविधता को बढ़ावा देती है और जलवायु परिवर्तन के प्रति फसलों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। विभिन्न प्रकार की फसलों को उगाना, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद करता है। विकसित हुई वर्षा आधारित स्थायी या टिकाऊ खेती का विज्ञान मूलतः पुनर्चक्रण से जुड़ा हुआ है। 'प्राकृतिक खेती' पर हुए शोध दर्शाते हैं कि इस विधि से विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। इस विधि से उगाई फसलें सूखे, अतिवर्षा में भी खड़ी रहती हैं। 'मिश्रित खेती' अपनाने से एक ही खेत में कई फसलें ली जा सकती हैं जिससे किसान को नियमित आय सुनिश्चित होती है। इस खेती में पानी की खपत बाकी विधियों के मुकाबले 40 प्रतिशत तक कम है और इसमें फसल सुरक्षा के लिए स्थानीय वनस्पतियों को ही प्रयोग किया जाता है। कृषि 'ग्रीनहाउस गैसों' का एक प्रमुख स्रोत है जिससे भविष्य में खाद्य–सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न होने की संभावना है। जल के बढ़ते उपयोग और सूखे के कारण उत्पादन के लिए पानी की कमी हो सकती है। वैश्विक खाद्य–सुरक्षा पर्याप्त खाद्य–उत्पादन और खाद्य–पहुंच, दोनों पर निर्भर करती है।

गोरखपुर में तेंदुआ दहशत में लोग

स्कूल बंद, घरों में दुबके लोग,वन विभाग का रेस्क्यू आपरेशन जारी

संवाददाता, (चरगांवा) गोरखपुर। तेंदुआ को पकड़ने के लिए वन विभाग का रेस्क्यू आपरेशन जारी है। टीम ने तीन जगहों पर पिजड़ा भी लगाया है। मोहनापुर समेत आसपास और तिनकोनिया क्षेत्र के जंगलों में उसकी तलाश की गई। यादव टोला की गीता यादव पर हमले के बाद से क्षेत्र में दहशत बना हुआ है। डिवाइन पब्लिक स्कूल खुला रहा, डर से अभिभावकों ने अपने बच्चों को नहीं भेजा। इसके बाद स्कूल प्रशासन ने बंद करते हुए बुधवार को भी बंद होने का मैसेज अभिभावकों के पास भेज दिया। इधर, मोहनापुर के लोग घर से अकेले नहीं निकल रहे। एक दूसरे से बात कर लाठी–डंडे के साथ समूह में बाहर निकल रहे। वहीं महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग घरों के अंदर ही बंद है।

सोमवार की भोर में 3:59 बजे मोहनापुर में तेंदुआ को देखा गया था। सुबह पांच बजे टहलकर आ रही गीता यादव पर उसने हमला कर घायल कर दिया था। हालांकि, शाम तक वह और घर वाले यही जानते रहे कि कुत्ते ने हमला किया है। लेकिन, उपचार करते समय जब सदर अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि चेहरे पर आई चोट कुत्ते के हमले से नहीं है। कुछ ही देर में इनके बेटे विवेक यादव के मोबाइल पर तेंदुए का एक वीडियों आया। इसके बाद उसकी पहचान हुई और शाहपुर थाना पुलिस व वन विभाग की टीम को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे डीएफओ ने रेस्क्यू आपरेशन के लिए वन विभाग की चार टीमे गठित की। जो पूरी रात और दिन भर तेंदुए की तलाश में लगे रहे। टीम ने मोहनापुर हमले वाले घटना स्थल के साथ तीन जगहों पर पिजड़ा लगाया है। जिसकी निगरानी लगातार की जा रही है।

इसके अलावा क्षेत्र में सर्च आपरेशन चला रही टीम के सदस्य लोगों से मिल रहे। उन्हें पंपलेट देते हुए बचाव और जागरुक रहने की अपील करते हुए, उस पर लिखे नंबरों को दिखा रहे, बता रहे कि अगर तेंदुआ दिखता है तो तत्काल उन नंबरों पर फोन कर सूचना दें। कुछ ही देर में टीम मौके पर पहुंचेगी।

मोहनापुर में लगी लोगों की भीड़

> गोरखपुर के मोहनापुर में तेंदुए के आतंक से दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने के लिए रेस्क्यू अश्वपरेशन चला रही है और कई जगहों पर लपजड़े लगाए गए हैं। तेंदुए के हमले के बाद स्कूल बंद कर दिए गए हैं और लोग घरों से निकलने में डर रहे हैं। वन विभाग लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर रहा है।

रेस्क्यू टीम ने देखा 35 सीसी कैमरे का फुटेज

रेस्क्यू टीम के सदस्यों ने बुधवार को मोहनापुर और आसपास के मोहल्लों में लगे 35 सीसी कैमरें का फुटेज देखा। हालांकि किसी में भी तेंदुआ नहीं दिखा। जबकि मंगलवार को तेंदुए की पुष्टि सीसी कैमरे से हुई थी। स्कूल के पास बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान में लगे सीसी कैमरे में वह कैद हुआ था। जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर जांच की तो उसके पंजे का निशान भी देखने को मिला था। लेकिन, वर्षा से ये निशान मिट गए

मोहल्ले के युवकों ने भी संभाली कमान

वन विभाग की टीम के साथ मोहनापुर समेत सरस्वती पुरम, जंगल मातादीन, जंगल सालिकराम, हनुमंत नगर, शिवपुर सहबाजगंज, पादरी बाजार, घोषीपुरवा, लतीफनगर, मानस विहार कालोनी, इन्द्रप्रस्थ पुरम कालोनी, ओमकार नगर आदि मोहल्ले के युवाओं ने भी कमान संभाल ली है। आसपास की झांडियों और खाली पड़ी जमीनों में दिनभर तेंदुए की तलाश करते रहे। कुछ युवा आगे चलते हुए थाली पीट रहे तो पीछे से हाथ में डंडा और लाठी लेकर चले रहे युवा झांड़ियों में पीट रहे है।

शोर मचाते नीचे उतरी महिला ने पति को किया फोन

जंगल हकीम नंबर दो मोहनापुर में दोपहर 12 बजे अचानक से अफरा–तफरी मच गई। यहां की रहने वाली किसमती देवी कपड़ा उतारने के लिए अपने मकान के दूसरे मंजिल पर गई थी। इसी दौरान शोर मचाते हुए नीचे की तरफ भागी और पति को फोन कर बताया कि सामने के तालाबंद मकान के छज्जे पर उसने तेंदुए को बैठा हुआ देखा है। यह सूनने के बाद पति ने पड़ोसी और अन्य लोगों को फोन किया। लाठी–डंडा लेकर सभी बाहर निकले और बंद मकान को घेर लिए। लेकिन, वहां तेंदुआ नहीं मिला, बाद में लोगों ने कहा कि हो सकता है कुत्ता बैठा हो। फिर सभी अपने–अपने घर चले गए।

अफवाहों पर न दें ध्यान, गश्त कर रही टीम

डीएफओ विकास यादव ने बताया कि तेंदुए की तलाश चल रही है। वन विभाग की चार टीमे रेस्क्यू आपरेशन में लगी है। मंगलवार को मोहनापुर समेत आसपास के मोहल्लों में, जंगल और झाड़ियों में उसकी तलाश की गई। 30 से अधिक सीसी कैमरे देखे गए। लेकिन कहीं भी तेंदुआ नहीं दिखा है। लोगों को वन विभाग के अधिकारियों व रेस्क्यू टीम का नंबर दिया गया है।

तेंदुए के दिखते ही फोन को करने कहा जा रही है। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। रात के समय घर के बाहर लाइट जलाएं रखें। किसी भी आशंका में तत्काल फोन कर। वन विभाग की टीम 24 घंटे क्षेत्र में मौजूद है। डीएफओ ने बताया कि सोमवार की सुबह के बाद अब तक तेंदुआ नहीं दिखा है। नहीं मिलने पर 10 दिन तक सर्च ऑपरेशन चलेगा।

सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर–ट्राली में तेज रफ्तार कार की भिड़ंत

दो की मौत और तीन घायल

गोरखपुर के भटहट कस्बे में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा गई जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। इस दुर्घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संवाददाता भटहट (गोरखपुर)। गुलरिहा थाना क्षेत्र के भटहट कस्बे में मंगलवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली में तेज रफ्तार कार की भिड़ंत हो गई। दो युवकों की मौके पर ही मौत और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार गुलरिहा थाना क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर एक निवासी अभय निषाद अपनी कार से अपने दोस्तों बजरंगी निषाद, सत्यम, संगम और जंगल डुमरी नंबर दो निवासी विजय के साथ रात लगभग 11 बजे भटहट जा रहे थे। भटहट कस्बे में इंडियन बैंक के सामने खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली में अनियंत्रित कार की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रॉली के दोनों पहिए बाहर निकल गए और कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार चालक अभय निषाद और उनके दोस्त बजरंगी निषाद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि सत्यम, संगम और विजय गंभीर रूप से घायल हो गए।

सूचना मिलते ही भटहट चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा। वर्तमान में तीनों घायलों का इलाज जारी है। ट्रैक्टर–ट्रॉली जंगल माघी निवासी एक व्यक्ति की बताई जा रही है। जो फोरलेन में पड़े अपने मकान के मलबे को ढोने के लिए खड़ी किए थे। प्रभारी चौकी इंचार्ज अनूप कुमार चौधरी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

नकली चायपत्ती मामले में पिकअप मालिक पर केस, बिहार से लाई जा रही खेप

गोरखपुर में पुलिस ने नकली चाय पत्ती से भरी एक पिकअप पकड़ी। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के प्रतिनिधि ने इस बारे में एफआईआर दर्ज कराई थी। जांच में पता चला कि चाय की पत्ती बिहार से लाई जा रही थी और इसमें मिलावट की गई थी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह नकली चाय पत्ती कहां बेची जानी थी।

संवाददाता, गोरखपुर। तिवारीपुर पुलिस ने नकली चाय की पत्ती लेकर बिहार से आने वाले पिकप के मालिक के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। पिकप मालिक अश्वनी यादव देवरिया जिले के गौरी बाजार का रहने वाला है। एफआइआर हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के प्रतिनिधि से दर्ज कराई है। यह कंपनी ताजा ब्रांड से चाय की बिक्री करती है। इससे पहले भी नकली चाय की पत्ती मिल चुकी है।शनिवार रात तिवारीपुर पुलिस ने जांच के लिए पिकप को रोका था। पिकप चालक रखे गए सामान का कोई कागज नहीं दिखा सका तो पुलिस ने जांच की। पता चला कि बोरों में भरकर चाय की पत्ती रखी है। चालक ने बताया कि देवरिया के गौरी बाजार निवासी अश्वनी यादव की पिकप लेकर वह बिहार के गोपालगंज जाता है। यहां दूसरे वाहन से चाय की पत्ती पहुंचाई जाती है। फिर यह चाय की पत्ती पिकप पर रखी जाती है। लालडिग्गी पहुंचने पर पहले से बताए गए मोबाइल नंबर पर फोन करता हूं।

आवास विकास परिषद की बल्ले–बल्ले

खजाने में आए 110 करोड़ रुपये, 115 लोगों को मिला सपनों का आशियाना

संवाददाता, साहिबाबाद। वसुंधरा सेक्टर–16 स्थित आवास विकास परिषद के कार्यालय में मंगलवार (29 जुलाई) को आवासीय योजनाओं में पंजीकरण के बाद फ्लैटों का आवंटन किया गया। उप आवास आयुक्त मेरठ जोन अनिल कुमार की अध्यक्षता में आवंटन समिति ने 115 संपत्तियों का आवंटन किया। आवास विकास परिषद की सिद्धार्थ विहार योजना, वसुंधरा योजना और मंडोला विहार योजना में विभिन्न प्रकार के फ्लैट गंगा यमुना, हिंडन, शिखर, सपना–एक, सपना–दो, गुलमोहर के आवंटन किए गए। इनके पंजीकरण एक जून से 16 जून तक ऑनलाइन कराए गए थे। इसमें पंजीकृत आवेदकों के मध्य उनकी सहमति के आधार पर फ्लैट का आवंटन किया गया है। आवास विकास परिषद को आवंटन प्रक्रिया से 110 करोड़ रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई है। इस दौरान अधीक्षण अभियंता अजय मित्तल, अधीक्षण अभियंता राकेश चंद्रा, निखिल महेश्वरी, अधिशासी अभियंता विकास गौतम समेत अन्य मौजूद रहे।

गाजियाबाद में आवास विकास परिषद ने आवासीय योजनाओं के अंतर्गत 115 फ्लैटों का आवंटन किया। वसुंधरा सेक्टर–16 स्थित कार्यालय में उप आवास आयुक्त अनिल कुमार की अध्यक्षता में यह प्रक्रिया संपन्न हुई। सिद्धार्थ विहार वसुंधरा और मंडोला विहार योजनाओं में गंगा यमुना हिंडन जैसे विभिन्न प्रकार के फ्लैट आवंटित किए गए जिनसे परिषद को 110 करोड़ रुपये का राजस्व मिला। पंजीकरण 1 जून से 16 जून तक हुआ था।

विदेशी नेटवर्क और फंडिंग...

अब आगरा अवैध मतांतरण में सरगना अब्दुल रहमान समेत पांच लोगों से राज उगलवाएगी पुलिस

संवाददाता,गोरखपुर। अवैध मतांतरण गिरोह के चार सदस्यों से पुलिस पुलिस अभी राज उगलवाएगी। मंगलवार दोपहर एक बजे पुलिस ने 10 सदस्यों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की कोर्ट में पेश किया। न्यायालय ने छह आरोपितों को जेल भेज दिया। आयशा उर्फ एसबी कृष्णा, रहमान कुरैशी, हसन अली एवं मोहम्मद हसन को पुलिस ने दोबारा चार दिन के लिए कस्टडी रिमांड पर लिया है। गिरोह का बड़ा चेहरा दिल्ली का अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह भी अभी रिमांड पर है। सदर क्षेत्र की रहने वाली 24 मार्च से गायब बेटियों को पुलिस ने कोलकाता से 18 मार्च को बरामद किया था। गिरोह ने बेटियों का मतांतरण करा दिया था। डीजीपी राजीव कृष्ण और आगरा पुलिस आयुक्त ने 19 जुलाई को लखनऊ में प्रेसवार्ता करके अवैध मतांतरण गिरोह का पर्दाफाश किया था।

इन्हें मुख्य आरोपित मान रही पुलिस

गिरोह की सदस्य आयशा उर्फ एसबी कृष्णा, रहमान कुरैशी, जुनैद कुरैशी, हसन अली उर्फ शेखर राय, मोहम्मद अली उर्फ पीयूष पंवार, रित बानिक उर्फ मोहम्मद इब्राहिम, ओसामा, अबू तालिब, अबुर रहमान, मुस्तफा उर्फ मनोज को गिरफ्तार किया था। पुलिस सभी आरोपितों को 10 दिन की कस्टडी रिमांड पर पूछताछ के लिए लिया था।

दिल्ली के अब्दुल रहमान समेत पांच लोगों से राज उगलवाएगी पुलिस

आयशा से पूछताछ के बाद पुलिस ने दिल्ली के मुस्तफाबाद के रहने वाले अब्दुल रहमान उसके दोनों बेटों समेत तीन को गिरफ्तार किया था। अब्दुल रहमान एटीएस द्वारा जेल भेजे गए मौलाना कलीम सिद्दीकी का करीबी है। वह 10 दिन की कस्टडी रिमांड पर है। पुलिस की पूछताछ में गिरोह के पाकिस्तान से तार जुड़े होने एवं विदेशी फंडिंग की जानकारी मिली। गिरोह के कश्मीर ओर पाकिस्तान से तार जुड़े होने की जांच कई बिंदुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। पुलिस ने अवैध मतांतरण में पांच चेहरों को प्रमुख मान रही है। जिसमें अब्दुल रहमान, आयशा, रहमान कुरैशी, हसन अली एवं मोहम्मद हसन हैं। जिनसे पूछताछ में गिरोह के छह राज्यों में फैले नेटवर्क के बारे में पता चला है।

इन्हें भेजा जेल

ओसमा एवं रित बानिक उर्फ इब्राहिम कोलकाता, (कोलकाता), अबू तालिब (खालापार मुजफ्फर नगर), अबुर रहमान (देहरादून), जुनैद कुरैशी (जयपुर), मुस्तफा उर्फ मनोज (दिल्ली)

अब्दुल रहमान समेत समेत पांचों से एक साथ होगी पूछताछ

पुलिस टीमों का पूरा ध्यान अब अब्दुल रहमान, आयशा, रहमान कुरैशी, हसन अली एवं मोहम्मद हसन पर है। पुलिस टीमों व जांच एजेंसियों का मानना है कि आरोपित अभी बहुत कुछ छिपा रहे हैं। पांचों से विस्तृत पूछताछ और क्रास चेक में कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। पुलिस पांचों आरोपितों की ट्रैवल हिस्ट्री भी खंगाल रही है।

इन राज्यों में घूम चुका है रहमान

अब्दुल रहमान भूटान, नेपाल के अलावा कोलकाता, असम समेत कई राज्यों की यात्रा कर चुका है। उसका संपर्क जाकिर नाइक से भी बताया गया है। वर्ष 2020 में मौलाना कलीम सिद्दीकी ने एटीएस को गिरफ्तार किया था। उस समय अब्दुल रहमान से भी एटीएस ने पूछताछ की थी। जिसके चलते उसे पुलिस और जांच एजेंसियों के पूछताछ के तरीकों का पता है। जिसके चलते उसे प्रश्नों के चक्रव्यूह में फंसाकर ही सच उगलवाया जा सकता है।

सीएम बोले– 2017 के पहले चीन के माल से पटा पड़ा था यूपी का बाजार

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित युवा कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान का शुभारंभ कर दिया है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को उद्यम से जोड़ना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले यूपी का बाजार त्योहारों पर चीन के सामान से पटा हुआ था। आज चीन के उत्पाद से ज्यादा ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) का उप्पाद बिक रहा है। 2017 के पहले भी प्रदेश में ओडीओपी बड़े पैमाने पर थे लेकिन तब उस समय की सरकारें नहीं समझ पाईं क्योंकि उनके लिए परिवारवाद ही सर्वोपरि था। वो लोग लगातार प्रदेश के एमएसएमई उद्योगों को बंद करने की साजिश का हिस्सा बन गए थे पर अब सरकार युवाओं को उद्यमी बनने के लिए मदद कर रही है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित युवा कॉन्क्लेव में कही।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना अब युवाओं के लिए जॉब लेने नहीं बल्कि देने का माध्यम बन गई है। सक्सेस स्टोरी सुनकर बहुत अच्छा महसूस हुआ। एक ऐसी स्कीम जिसका ब्याज और गारंटी सरकार दे रही है। दस फीसदी मार्जिन मनी का लाभ भी सरकार दे रही है। इसी का परिणाम है कि 2751 करोड़ रुपए 68000 युवाओं को दिए गए। ये यूपी का पोटेंशियल है। ऐसे लाखों युवा यूपी में हैं, जो अलग अलग सेक्टर में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्विद्यालय टापू जैसा बन गए। उन्हें स्टेट और सेंट्रल की योजनाओ की जानकारी नहीं होती। वहां से निकला युवा चौराहे पर खड़ा होकर असमंजस में होता है फिर बिना जानकारी के लोन लेता है लेकिन ज्ञान न होने के कारण कर्ज के बोझ तले दब जाता है जिनके पास ज्ञान होता है, उनके पास पैसा नहीं होता। ऐसी सभी समस्याओं का समाधान सीएम युवा योजना है। विश्विद्यालय के साथ एमओयू इसीलिए किए गए हैं कि वहां पढ़ रहे बच्चों को राज्य और केंद्र योजनाओं का लाभ मिल सके। इसके पहले सीएम योगी ने युवा कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया है। यह दो दिवसीय युवा कॉन्क्लेव प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए उद्यमिता के द्वार खोलेगा। इसमें फ्रेंचाइजी, वित्तीय संस्थाएं, औद्योगिक ब्रांड्स, नीति निर्माता, प्रशिक्षक और निवेशक एक ही मंच पर मौजूद रहेंगे।

अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सीएम युवा उद्यमी अभियान रोजगार को युवाओं से जोड़ने की परिकल्पना है । इसे एक साल पहले लॉन्च किया गया था जिसके इतने जबरदस्त रिस्पांस की उम्मीद नहीं थी। हम आज 150 नए आईडिया दे रहे हैं। ये सक्सेसफुल बिजनेस आइडिया हैं जो पांच लाख रुपए से शुरू किए जा सकते हैं। इस अभियान के तहत युवाओं को बिजनेस आइडिया से जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय को पहली बार जोड़ा गया है जिनके 1100 छात्र आज आए हैं। जो उद्यमी बनेंगे। रूफटॉप सोलर मेंटेनेंस उद्यम की भी शुरुआत आज से की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य अगले एक साल में 10 लाख इंटरप्रेन्योर को पैदा करना है।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष की पीट–पीटकर हत्या

परिजनों ने अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है,गांव पहुंचे भाजपा विधायक महेश चंद्र गुप्ता

संवाददाता, बदायूं। जिले के बिनावर थाना क्षेत्र के गांव विजय नगला में मंगलवार रात भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि मंडल उपाध्यक्ष रात पानी की टंकी पर चौकीदारी करने जा रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन पर लाठी डंडे से हमला कर दिया और हत्या कर फरार हो गए। सुबह लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी।

पानी की टंकी पर चौकीदारी करते थे सुरेश चंद्र गुप्ता

गांव विजय नगला निवासी सुरेश चंद्र गुप्ता (50) भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष और वह भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी भी थे। अपने परिवार का गुजारा करने के लिए गांव में बनी पानी की टंकी पर चौकीदारी करते थे। स्वजन के अनुसार वह रात करीब 11 बजे पानी टंकी पर चौकीदारी करने गए थे। बुधवार सुबह लोगों ने टंकी के गेट पर उनका शव पड़ा देखा। वहां आसपास कई डंडे पड़े मिले हैं।

बदायूं के बिनावर थाना क्षेत्र के गांव विजय नगला में भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र गुप्ता की मंगलवार रात हत्या कर दी गई। वह पानी की टंकी पर चौकीदारी करने जा रहे थे तभी कुछ लोगों ने लाठी–डंडों से हमला कर दिया। सुबह शव मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

सिर पर कई बार किए गए हैं

लोगों का अनुमान है की टंकी में घुसने के दौरान ही किसी ने उन पर हमला कर दिया और उनकी पीट पीटकर हत्या कर दी। उनके सिर पर कई बार किए गए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने मंडल उपाध्यक्ष के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्या की छानबीन में जुट गई है। अभी हत्यारों का कुछ पता नहीं चला। स्वजन की ओर से अब तक किसी के विरुद्ध कोई शिकायती पत्र भी नहीं दिया गया है।

मां गंगा ने तीसरी बार श्री बड़े हनुमान जी को कराया अमृत स्नान

प्रयागराज,संवाददाता। मंगलवार नाग पंचमी को मां गंगा ने तीसरी बार श्री बड़े हनुमान जी को अमृत स्नान कराया। ऐसा पहली बार हुआ है जब एक महीने के भीतर तीसरी बार तीन बार गंगा हनुमान जी को स्नान कराया है। इसी के साथ संगमनगरी में बाढ़ का खतरा फिर मंडराने लगा है। हालांकि गंगा और यमुना का जलस्तर अभी खतरे के निशान से तीन मीटर नीचे है।

मंगलवार नाग पंचमी को मां गंगा ने तीसरी बार श्री बड़े हनुमान जी को अमृत स्नान कराया। ऐसा पहली बार हुआ है जब एक महीने के भीतर तीसरी बार तीन बार गंगा हनुमान जी को स्नान कराया है। महंत बलवीर गिरी ने बताया कि मां गंगा ने तीसरी बार हनुमान जी को अमृत स्नान कराया है। बृहस्पतिवार को मां गंगा श्री बड़े हनुमान मंदिर से प्रस्थान किया था। इसके बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए थे।15 जुलाई दिन मंगलवार को दिन में करीब चार बजे पहली बार मां गंगा ने श्री बड़े हनुमान मंदिर में प्रवेश किया था। महंत बलवीर गिरि ने विशेष आरती कर मां गंगा का स्वागत किया। दो दिन बाद जलस्तर घटने के बाद मां गंगा 17 जुलाई बृहस्पतिवार को मंदिर से प्रस्थान कर गईं और साफ–सफाई के बाद मंदिर को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया था। कुछ ही घंटे के बाद बृहस्पतिवार की रात को 2.15 बजे जलस्तर बढ़ने के बाद गंगाजी ने पुनः मंदिर में पहुंचकर बजरंग बली को स्नान कराया।

साढ़े तीन पेज के सुसाइड नोट में बताया दर्द

संवाद न्यूज एजेंसी, फिरोजाबाद। उद्यान विभाग के कनिष्ठ सहायक अनिल कुमार के सुसाइड नोट छोड़कर गायब होने का मामले की गूंज प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक पहुंच गई। उद्यान विभाग के निदेशक भानुप्रकाश राम ने इस मामले की जांच को संयुक्त निदेशक उद्यान के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम का गठन किया है। डीएम रमेश रंजन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला स्तर पर भी जांच कराने की तैयारी कर ली है। लिपिक के ऋषिकेश में मिलने के बाद उसे परिजन को सुपुर्द कर दिया है। उद्यान विभाग में कार्यरत लिपिक अनिल कुमार सुसाइड नोट छोड़ने के साथ गायब हो गया था। उसका मोबाइल फोन बंद जाने के कारण परिजन हैरान हो गए थे। सुसाइड नोट में उक्त लिपिक ने विभागीय अधिकारी के साथ–साथ वहां तैनात स्टाफ पर आरोप लगाए थे।

लिपिक की पत्नी गुड्डी देवी ने बच्चों एवं देवर के साथ एसएसपी को संबोधित शिकायती पत्र दिया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी तो ऋषिकेश से उक्त लिपिक अनिल बरामद कर लिया। काफी गहनता से पूछताछ के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया। लिपिक की ओर से लगाए आरोपों की गूंज लखनऊ तक पहुंच गई है।

निदेशक उद्यान भानुप्रकाश राम ने इस मामले की जांच के लिए संयुक्त निदेशक उद्यान डॉ. सर्वेश कुमार के निर्देशन में टीम का गठन किया है। इसमें उप निदेशक आलू कौशल कुमार नीरज,मुख्य उद्यान विशेषज्ञ लखनऊ कृष्ण मोहन चौधरी को शामिल किया है।

जांच टीम को एक सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं। इधर डीएम रमेश रंजन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने जिला उद्यान अधिकारी अनीता सिंह से मामले की जानकारी करने के साथ पूरे मामले की जांच को जिला स्तरीय कमेटी बनाने की तैयारी कर ली है।

गाजीपुर ट्रिपल मर्डर

तंत्र– मत्र पर विश्वास करता था आरोपी, डर से घर पर नहीं जा रहे पड़ोसी, भूखे तड़प रहे पशु

गाजीपुर,संवाददाता। गाजीपुर जिले में ट्रिपल मर्डर के बाद डिलियां गांव की यादव बस्ती में सन्नाटा पसरा है। माता–पिता और बहन की हत्या करने वाला आरोपी घर से फरार है, ऐसे में डर के चलते उसके घर में जाने से पड़ोसी कतरा रहे हैं। वहीं घर पर चारे के लिए पशु तड़प रहे हैं। गाजीपुर शहर कोतवाली क्षेत्र के डिलियां गांव की यादव बस्ती में बहन और माता–पिता को कुल्हाड़ी से काटकर तीन हत्या करने का आरोपी अभय उर्फ भुट्टन स्वभाव से कठोर और तंत्र–मंत्र पर विश्वास करता था।

उसने अपने निर्माणाधीन मकान में कुछ ऐसी तस्वीरें भी लगाईं हैं, जो ग्रामीणों की इन बातों को प्रमाणित भी कर रही हैं। वारदात के तीसरे दिन भी गांव में सन्नाटा पसरा रहा। डर के चलते मृतकों के घर की तरफ गांव के लोग नहीं जा रहे हैं। मौके पर दो दिन तक तैनात रही पुलिस भी दो बेजुबान पशुओं को उनकी नादों तक पहुंचाने के बाद चली गई। अब पशुओं को चारा तक देने के लिए कोई नहीं है।

मां–बाप–बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला था अभय

बीते रविवार को दोपहर में बेटे अभय के हाथों बुजुर्ग पिता शिवराम (70), मां जमुनी देवी (65) और इकलौती बड़ी बहन कुसुम (35) की हत्या के बाद से हर कोई हैरान है। तीनों शवों के अंतिम संस्कार में डिलियां गांव की यादव बस्ती से लोग शामिल नहीं हुए। वहीं शिवराम की ससुराल से आए साले शिवशंकर यादव भी मुखाग्नि देने के बाद अपने घर चले गए।

अंधविश्वास को लेकर डरे हुए हैं ग्रामीण

डिलियां में लोग हत्यारोपी बेटे और उसकी पत्नी को इसके लिए जिम्मेदार मान रहे हैं। लेकिन, किसी अजनबी को देखने और नजदीक आने पर चर्चा भी बंद कर देते हैं। वह कहते हैं कि इस बारे में हमें कोई बात नहीं करनी, क्योंकि वह अंधविश्वास को लेकर डरे हुए हैं।

आतंक के खिलाफ भारत की जंग होगी मजबूत

नई दिल्ली,एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट ने जहां एक तरफ आतंक के खिलाफ भारत की जंग को और मजबूती दी है। वहीं दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर एक बार फिर पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया है। कारण है कि यूएनएससी की इस रिपोर्ट में पहलगाम आतंकी हमले के लिए टीआरएफ को जिम्मेदार बताया गया है। साथ ही इस संगठन का सीधा संबंध लश्कर–ए–तैयबा से बताया गया है। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने एक बड़ा खुलासा किया है। इसके तहत यूएनएससी ने एक रिपोर्ट जारी कर बताया कि इस हमले को 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) नाम के आतंकी संगठन ने अंजाम दिया था और इस आतंकी संगठन का संबंध लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) से है। इस रिपोर्ट से आतंक के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति को एक नया बल मिलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर ये रिपोर्ट आतंकियों का पनाहगाह पाकिस्तान के लिए अभिशाप बनकर सामने आया है। कारण है कि टीआरएफ और लश्कर–ए–तैयबा के जिक्र से पाकिस्तान को दुनियाभर के सामने एक बार फिर जिल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि 22 अप्रैल का वो काला दिन, जिसे भारतवासी आज भी नहीं भुला पा रहे। जगह था जम्मू–कश्मीर का पहलगाम। जहां एक साथ पांच आतंकियों ने वहां उपस्थित सभी पर्यटकों पर अंधाधुंध गोली चलानी शुरू कर दी। इस आतंकी हमले में कुल 26 लोगों की जान गई। इस घटना को बीते अब तीन महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। लेकिन लोगों में नाराजगी और अपनों के खोने का गम अभी भी है। हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ ने उसी दिन ली और एक फोटो भी शेयर किया।

कहां पेश की गई रिपोर्ट?

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जारी यह रिपोर्ट यूएनएससी की मॉनिटरिंग टीम ने तैयार की है। साथ ही इसे 1267 प्रतिबंध समिति में पेश किया गया है। यह समिति दुनिया भर में आतंकियों और आतंकी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का काम करती है। खास बात यह है कि इस समिति के सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाते हैं, यानी सभी सदस्य देश इससे सहमत होते हैं।

पाकिस्तान की चालबाजी पर भी सवाल

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अपनी संसद में दावा किया था कि उन्होंने यूएनएससी के बयान से टीआरएफ का नाम हटवा दिया। लेकिन अब इस रिपोर्ट में टीआरएफ का नाम आना यह साबित करता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की सच्चाई सामने आ रही है।

भारती की मजबूत होती स्थिति

हालांकि इस रिपोर्ट से आतंक के खिलाफ भारती की नीति को और मजबूती मिलने की संभावना तेज हो गई है। कारण है कि भारत लंबे समय से पाकिस्तान पर सीमा पार से आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाता रहा है। अब जब यूएनएससी की रिपोर्ट में भी इसका जिक्र हुआ है, तो भारत को अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिलने की संभावना बढ़ गई है।

अब समझिए लश्कर–ए–तैयबा और टीआरएफ का कनेक्शन

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर जारी रिपोर्ट में एक सदस्य देश ने कहा है कि यह हमला लश्कर–ए–तैयबा की मदद के बिना मुमकिन नहीं था और टीआरएफ का सीधा संबंध एनईटी से है। वहीं दूसरे एक देश ने कहा कि टीआरएफ और एलईटी एक ही संगठन हैं, सिर्फ नाम बदला गया है। हालांकि, रिपोर्ट में एक और देश संभावित रूप से पाकिस्तान ने कहा कि लश्कर ए तैयबा अब खत्म हो चुका है और उसका कोई अस्तित्व नहीं है। लेकिन रिपोर्ट में यह साफ दिखता है कि दुनिया टीआरएफ और एलईटी के बीच संबंध को मान रही है, जिससे पाकिस्तान के नापाक इरादे और झूठ दुनिया के सामने उजागर हो रहे हैं।

जनता दर्शन में सीएम ने सुनी समस्याएं

बोले– जरूरतमंद को आवास दिलाएंगे, इलाज भी कराएंगे

गोरखपुर,संवाददाता। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें सरकार की योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। कहा कि सरकार की मंशा है कि हर जरूरतमंद के पास पक्का आवास हो।

जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा और आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट गिफ्ट किया।

तीन पशु तस्करों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की हुई कार्रवाई

गोरखपुर,संवाददाता। जिलाधिकारी के अनुमोदन पर खोराबार थानाप्रभारी इत्यानंद पांडेय ने कुशीनगर, पडरौना के बसहिया बनवीरपुर निवासी परवेज आलम, सद्दाम व कुबेरस्थान निवासी अजय कुमार गौड़ के खिलाफ केस दर्ज कराया। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह ने बताया कि गिरोह का संचालन परवेज आलम करता है, जिसके खिलाफ अब तक पांच आपराधिक केस दर्ज हैं। पशु तस्करों के गिरोह पर खोराबार थाना पुलिस ने शिकंजा कसते हुए गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। गिरोह के सभी गुर्गे कुशीनगर जिले के रहने वाले हैं। इन पर पहले से कई आपराधिक केस दर्ज हैं। आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। जिलाधिकारी के अनुमोदन पर खोराबार थानाप्रभारी इत्यानंद पांडेय ने मंगलवार को कुशीनगर, पडरौना के बसहिया बनवीरपुर निवासी परवेज आलम, सद्दाम व कुबेरस्थान निवासी अजय कुमार गौड़ के खिलाफ केस दर्ज कराया। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह ने बताया कि गिरोह का संचालन परवेज आलम करता है, जिसके खिलाफ अब तक पांच आपराधिक केस दर्ज हैं। वहीं, सद्दाम पर चार और अजय कुमार गौड़ पर दो केस दर्ज हैं। गिरोह पशुओं की अवैध खरीद–फरोख्त करने के साथ ही चोरी कर बिहार में ले जाकर बेचता है। सरगना व गुर्गों की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया जाएगा।

पत्नी ने दर्ज कराया था दहेज उत्पीड़न का केस

फंदे से झूलता पति का मिला शव–खाकी पर लगाया ये आरोप

गोरखपुर,संवाददाता। एक साल पहले आकाश की शादी बड़हलगंज निवासी युवती से हुई थी शादी। आरोप है कि पत्नी द्वारा कुछ दिन पहले आकाश पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया गया था। इसी के बाद से संबंधित थाना पुलिस की तरफ से आकाश पर अलग–अलग तरीके का दबाव बनाया जा रहा था। गोरखपुर के झंगहा थाना क्षेत्र के डीहघाट निवासी आकाश पुत्र ओमप्रकाश का शव फांसी के फंदे से झूलता मिला।

आरोप है कि आकाश ने पुलिस के उत्पीड़न से आजिज आकर आत्महत्या कर ली है। मंगलवार की रात में खाना खाकर सोने गए आकाश का शव सुबह फांसी के फंदे से झूलता मिला। परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

एक साल पहले आकाश की शादी बड़हलगंज निवासी युवती से हुई थी शादी।

आरोप है कि पत्नी द्वारा कुछ दिन पहले आकाश पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया गया था। इसी के बाद से संबंधित थाना पुलिस की तरफ से आकाश पर अलग–अलग तरीके का दबाव बनाया जा रहा था। आरोप है कि दर्ज कराए मुकदमें में पुलिस की तरफ से रुपये की मांग की गई थी।

एक दिन पहले आकाश ने परिजनों के साथ एसएसपी से मुलाकात कर पूरे मामले की शिकायत भी की थी।

गोरखपुर में जिला पंचायत का एक क्षेत्र पंचायत के 30 वार्ड हुए कम

गोरखपुर जिले में आगामी पंचायत चुनावों को लेकर परिसीमन प्रक्रिया जारी है। 21 पंचायतें समाप्त होने के बाद अब 1273 ग्राम पंचायतों के लिए चुनाव होगा। वार्डों की प्रस्तावित सूची जारी कर दी गई है और आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। मतदाता सूची से 43 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे वहीं एक राजस्व गांव को पंचायत का दर्जा मिलेगा।

संवाददाता, गोरखपुर। जिले की 21 पंचायतें समाप्त होने के साथ ही ग्राम पंचायतों की संख्या अब जहां 1273 हो गई हैं वहीं जिला पंचायत का एक और क्षेत्र पंचायत के 30 वार्ड समाप्त हो गए हैं। इस तरह अब जिला पंचायत के वार्डों की कुल संख्या 67 और क्षेत्र पंचायतों की कुल संख्या 1670 हो गई है।

अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर प्रस्तावित नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद व नगर निगम के सृजन एवं सीमा विस्तार के कारण विकासखंडों की प्रभावित ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों के निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) के आंशिक परिसीमन का कार्य 18 जुलाई से ही चल रहा है। ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के वार्डों की प्रस्तावित सूची का प्रकाशन कर दिया गया। सूची के अनुसार दो अगस्त तक आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। आपत्तियों का निस्तारण तीन अगस्त से लेकर पांच अगस्त तक किया जाएगा। वहीं वार्डों की अंतिम सूची का प्रकाशन छह अगस्त से लेकर 10 अगस्त तक किया जाएगा।

पंचायतों की वोटर लिस्ट से हटेंगे 43 हजार वोटर

जिले में तीन ब्लाक की 21 ऐसी पंचायतें हैं जो चार साल के भीतर बनी नई नगर पंचायतों में शामिल हुई हैं । इन पंचायतों के 43 हजार 465 वोटर के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। वहीं एक ग्राम पंचायत के दो राजस्व गांव में से एक के, नगर पंचायत के विस्तार में चले जाने से बचे हुए राजस्व गांव को पंचायत का दर्जा दिया जाएगा।

इस तरह अगले साल प्रस्तावित पंचायत चुनाव में कुल 1273 पंचायतों के विभिन्न पदों के लिए प्रत्याशी भाग्य आजमाएंगे। पिछले पंचायत चुनाव में पंचायतों में कुल संख्या 1294 थी। पिछले पंचायत चुनाव के बाद पाली ब्लाक की नौ ग्राम पंचायतें नव गठित घघसरा नगर पंचायत में शामिल कर दी गईं थी। इसी तरह बड़हलगंज ब्लाक की दो ग्राम पंचायत बड़हलगंज में और उरुवां ब्लाक की सर्वाधिक 10 ग्राम पंचायतें उरुवां नगर पंचायत में शामिल हो गईं थी।

राजस्व गांव महुलिया खजुहा को पंचायत का दर्जा

बड़हलगंज ब्लाक की ग्राम पंचायत भैसौली में दो राजस्व गांव हुआ करते थे भैसौली और महुलिया खजुहा। बड़हलगंज नगर पंचायत के सीमा विस्तार में राजस्व गांव भैसौली का विलय हो गया, जिसके बाद एक मात्र बचे राजस्व गांव महुलिया खजुहा को नया पंचायत का दर्जा दिया जाएगा।

मानव तस्करी के आरोप में महिला गिरफ्तार

बहला–फुसला कर ले जा रही थी इस दूसरे देश

संवाद न्यूज एजेंसी, महाराजगंज। एसएसबी 22 वाहिनी निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय ने बताया कि मामला देखने में स्पष्ट रूप से मानव तस्करी का लग रहा था। पीजीएसएस एवं एसएसबी के प्रयास और लड़की की निशानदेही पर संदिग्ध महिला को पूछताछ के लिए पकड़ लिया गया। बेहतर पूछताछ की जा रही है। किशोरी को नेपाल भेजने के आरोप में स्वयं सेवी संस्था की शिकायत पर एसएसबी ने महिला को हिरासत में लिया। बताया गया है कि उक्त महिला किशोरी को बहला फुसलाकर नेपाल लेकर जा रही थी। पूछताछ में किशोरी ने बताया कि वह परसामलिक थाना क्षेत्र की रहने वाली है।

मंगलवार शाम को सोनौली से नेपाल की तरफ जाते हुए दिखाई दी। संदेह के आधार पर सुरक्षा कर्मियों ने पूछताछ की तो लड़की ने अपना उम्र 17 वर्ष बताया, इसके बाद नेपाल जाने की बारे में पूछा गया तो वह महिला के साथ नौकरी करने नेपाल जा रही हूं।

एसएसबी 22 वाहिनी निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय ने बताया कि मामला देखने में स्पष्ट रूप से मानव तस्करी का लग रहा था। पीजीएसएस एवं एसएसबी के प्रयास और लड़की की निशानदेही पर संदिग्ध महिला को पूछताछ के लिए पकड़ लिया गया। बेहतर पूछताछ की जा रही है। लड़की की माता पिता आए और बताए की बेटी को नेपाल जाने की जानकारी नहीं थी। एचटीयू टीम की ओर से काउंसलिंग करने के उपरांत मानव तस्करी की पुष्टि हुई।

घरेलू विवाद बना जानलेवा

पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या, पति गिरफ्तार

आरोपी को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार दुधारा थाना क्षेत्र के धवरिया निवासी लक्ष्मी 27 वर्ष का पति से विवाद चल रहा था।

संत कबीर नगर,संवाददाता। दुधारा थाना क्षेत्र के धवरिया निवासी लक्ष्मी 27 वर्ष का पति से विवाद चल रहा था। कोर्ट में तलाक का केस चल रहा था। जिसके सम्बन्ध में अधिवक्ता ने दोनों को मेहदावल तहसील गेट पर बात चीत के लिए बुलाया था। मेंहदावल तहसील में बुधवार की सुबह एक व्यक्ति ने पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार दुधारा थाना क्षेत्र के धवरिया निवासी लक्ष्मी 27 वर्ष का पति से विवाद चल रहा था। कोर्ट में तलाक का केस चल रहा था, जिसके सम्बन्ध में अधिवक्ता ने दोनों को मेहदावल तहसील गेट पर बातचीत के लिए बुलाया था। जहाँ पति –पत्नी में विवाद हो गया उसी दौरान पति ने चाकू से लक्ष्मी के गले और पेट पर वार कर दिया, जिससे वह गम्भीर रूप से घायल होकर तड़पने लगी। लोगो ने उसे सीएससी मेंहदावल पहुंचाया जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया । इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में अब्बास अंसारी की सजा और दंड स्थगित करने पर अब सुनवाई 30 अगस्त को

संवाददाता, प्रयागराज । इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हेट स्पीच के मामले में हुई सजा स्थगित करने की मांग में दाखिल अब्बास अंसारी की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई के लिए 30 अगस्त की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है। गौरतलब है कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से मऊ सदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से एमएलए रहे अंसारी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य सरकार के अधिकारियों को परिणामों की धमकी दी थी। इस मामले में ट्रायल के बाद मऊ की स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए कोर्ट ने अब्बास अंसारी को आईपीसी की धारा 153–ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 189 (सार्वजनिक सेवक को चोट पहुंचाने की धमकी) के तहत अपराध के लिए दो–दो वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। इसके अलावा धारा 506 में एक वर्ष और धारा 171–एफ (चुनाव में अनुचित प्रभाव या व्यक्तिगत पहचान) के तहत अपराध के लिए छह महीने कैद की सजा सुनाई थी।

मुंबई में गुरुवार को एक विशेष एनआईए अदालत ने 2008 के मालेगांव ब्लास्ट केस के सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। जिन लोगों को बरी किया गया है, उनमें भाजपा की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा से लेकर भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय के नाम भी शामिल हैं। बता दें कि 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित मालेगांव में रमजान के महीने में एक जबरदस्त धमाका हुआ था। इस ब्लास्ट में छह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। हालांकि, आरोपियों की गिरफ्तारी के 17 साल बाद अब एनआईए कोर्ट ने इस मामले में महाराष्ट्र के आतंक–रोधी दस्ते (एटीएस) की जांच में कई खामियां मिलने की बात कही। साथ ही इन आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत भी न पेश किए जाने का मामला उठा। इसके बाद अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया। गौरतलब है कि मालेगांव ब्लास्ट केस में फैसला करीब 17 साल बाद आया है। इस मामले में एक आरोपी को तो 2011 में जमानत मिल गई थी, लेकिन छह आरोपी आठ साल तक जेल में बंद रहे और उन्हें 2017 में जमानत मिली।

'अदालत का फैसला दे गया एक और जख्म...', मालेगांव ब्लास्ट केस में सभी आरोपियों के बरी होने पर बोले पीड़ितों के वकील

मालेगांव ब्लास्ट का पूरा टाइमलाइन

- 29 सितंबर, 2008 को मालेगांव में हुए विस्फोट में मारे गए छह लोग और 100 से अधिक लोग घायल हुए।
- अक्टूबर 2008 में एटीएस ने इस मामले में साध्वी प्रज्ञा को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद मामले में पुरोहित को भी गिरफ्तार किया गया।
- जनवरी 2009 में महाराष्ट्र एटीएस द्वारा इस मामले में पहला आरोपपत्र दायर किया गया था।
- इसके बाद अप्रैल 2022 में इस मामले की जांच **NIA** को सौंपी गई।
- साल 2016 में एनआई ए ने पूरक आरोपत्र दाखिल किया। हालांकि, कुछ आरोप हटाए गए लेकिन प्रमुख आतंकवाद संबंधी आरोप बरकरार रहे।
- साल 2018 में सात आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय किए गए।
- इस मामले में साल 2018–2023 अभियोजन पक्ष ने 323 गवाहों से पूछताछ की। हालांकि, 40 गवाह अपने गवाह से पलट गए।
- अप्रैल 2025 में इस मामले में अंतिम बहस पूरी हुई और फैसला सुरक्षित रखा गया।
- 31 जुलाई 2025 को इस मामले में **NIA** की स्पेशल कोर्ट ने फैसला सुनाया। जिसमें साध्वी प्रज्ञा समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया गाया।

नई दिल्ली,एजेंसी। महाराष्ट्र के मालेगांव शहर में हुए एक घातक विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की एक विशेष अदालत 17 साल बाद आखिरकार 31 जुलाई यानी आज अपना फैसला सुना दिया। **NIA** की विशेष अदालत ने पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित (सेवानिवृत्त) सहित इस मामले के सभी सात मुख्य आरोपियों को बरी कर दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर का बयान सामने आया है।

'मेरा जीवन बर्बाद कर दिया'

एनआईए की विशेष अदालत के फैसले के बाद पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा का बयान सामने आया है। मालेगांव ब्लास्ट केस में बरी होने के बाद उन्होंने कहा कि मेरा जीवन बर्बाद कर दिया, मुझे अपमानित किया, आतंकी बना दिया। वहीं, एनआईए कोर्ट में जज को संबोधित करते हुए सांधवी प्रज्ञा सिंह ने कि मैंने शुरू से ही कहा है कि जिन्हें भी जांच के लिए बुलाया जाता है, उसके पीछे कोई आधार होना चाहिए। मुझे जांच के लिए बुलाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया और प्रताड़ित किया गया। इससे मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो गया। मैं एक साधु का जीवन जी रही थी, लेकिन मुझे फंसा दिया गया और मुझ पर आरोप लगा दिया गया, और कोई भी स्वेच्छा से हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ।

मैं इसलिए जिन्दा हूं क्योंकि...

मालेगांव मामले में फैसला आने के बाद पूर्व बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि मैं जीवित हूं क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। उन्होंने एक षड्यंत्र के तहत भगवा को बदनाम किया। आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है, और जो दोषी हैं उन्हें भगवान सजा देंगे। हालांकि, जिन्होंने भारत और भगवा को बदनाम किया, वे आपके द्वारा गलत साबित नहीं हुए हैं।?

2008 में हुआ था ब्लास्ट

2008 के मालेगांव बम ब्लास्ट मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि विस्फोट में इस्तेमाल मोटरसाइकिल आरोपियों की थी। अदालत ने मेडिकल सूटफिकेट में हेराफेरी की बात भी कही। इस ब्लास्ट में छह लोगों की जान गई थी और 100 से अधिक घायल हुए थे।

मालेगांव ब्लास्ट केस में बरी होने के बाद साध्वी प्रज्ञा का पहला रिएक्शन

'मुझे आतंकी बना दिया...

मालेगांव ब्लास्ट 17 साल बाद फैसला

इस मामले में सभी आरोपियों को बरी कर दिया

महाराष्ट्र के मालेगांव विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की विशेष अदालत ने 17 साल बाद फैसला सुनाया। अदालत ने पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित मुख्य आरोपियों को बरी कर दिया है। फैसले के बाद साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि उन्हें अपमानित किया गया आतंकी बनाया गया और उनका जीवन बर्बाद कर दिया गया।

फातिमा सना

नेटिजंस देख चौंके, बोले– ' ये सिर्फ वही कर सकती हैं'

एंटरटेनमेंट डेस्क। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने कुछ अलग ढंग से किताब को रखा है। इस वीडियो ने सभी को हैरान कर दिया है। अभिनेत्री फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी फिल्म 'आप जैसा कोई' से चर्चा में हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसी दौरान एक्ट्रेस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बिल्कुल अनोखे अंदाज में किताब को पकड़ रखा है। ये तरीका नेटिजंस को पसंद भी आ रहा है और आश्चर्य भी कर रहा है। आइए देखें क्या है वायरल वीडियो और यूजर्स के रिएक्शंस।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री फातिमा सना शेख मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आ रही है। एक्ट्रेस व्हाइट शर्ट और ब्लू कलर की जींस पहने दिख रही हैं। इसके अलावा देखा जा सकता है कि अभिनेत्री ने एक ब्लैक कलर का साइड बैग टांग रखा है, जिसकी पट्टी पर उन्होंने एक किताब को अनोखे तरीके से फंसा रखा है। इस नायाब तरीके को देख नेटिजंस हैरान हो रहे हैं।

नेटिजंस दे रहे प्रतिक्रियाएं

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आन लगी हैं। एक यूजर ने लिखा कि नया ट्रिक लॉन्च हो गया, जो उन्हें पसंद आया। वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट सेक्शन में हंसते हुए लिखा कि अरे वो बुकमार्क है। एक और यूजर ने बोला कि ये केवल एक्ट्रेस ही कर सकती हैं। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि वाह नायाब तरीका।

फातिमा सना शेख का वर्कफ्रंट

फातिमा सना शेख के सिनेमाई करियर की बात करें, तो इस समय वह अपनी फिल्म 'आप जैसा कोई' से चर्चा में हैं, जो 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। विवेक सोनी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की प्रेम कहानी दर्शकों का दिल जीत रही है। इससे पहले एक्ट्रेस को 'मेट्रो इन दिनों' में भी देखा गया था।

जॉर्जिया एंड्रियानी ने बिकिनी में कराया हॉट

जाह्नवी की 'परम सुंदरी'

एंटरटेनमेंट डेस्क। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का ऑफिशियली ऐलान कर दिया है। फिल्म सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी, चलिए आपको बताते हैं। दिनेश विजान के मैडॉक तले बनी फिल्म 'परम सुंदरी' की नई रिलीज डेट अब सामने आ गई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म को अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के मेकर्स की तरफ से इस बात की ऑफिशियल जानकारी दी गई है। इससे पहले फिल्म 25 जुलाई को रिलीज की जानी थी। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी सामने आया है जिसमें सिद्धार्थ और जाह्नवी नजर आ रहे हैं। इन दिनों बॉलीवुड में लवस्टोरी पर बेस्ड फिल्मों का बोलबाला देखने को मिल रहा है। जब से अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा रिलीज हुई है, तभी से ऐसा लग रहा है मानो सिनेमा में प्रेमकहानी पर बनी फिल्मों को नया जीवन मिल गया है। इसी कड़ी में पहले फिल्म 'धड़क 2' रिलीज होगी, जिसमें सिद्धार्थ चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। फिर महीने के आखिर तक सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की ये फिल्म रिलीज हो जाएगी। 29 अगस्त को सिनेमाघरों में फिल्म 'परम सुंदरी' को रिलीज किया जाएगा।

'आप सोनम के जीवनसाथी ही नहीं

बल्कि परिवार का दिल हैं'

एंटरटेनमेंट डेस्क। आनंद आहूजा के 42वें जन्मदिन पर ससुर और बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर ने उन्हें बधाई दी है। इस खास मौके पर अनिल ने दामाद आनंद, बेटी सोनम कपूर और नाती वायु कपूर आहूजा की शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इसके साथ ही एक इमोशनल नोट भी लिखा है।

अनिल का आनंद के लिए खास पोस्ट

अनिल कपूर ने अपने दामाद और उनकी बेटी सोनम कपूर के पति आनंद को परिवार का दिल बताया। अनिल ने आनंद को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कैप्शन में लिखा, 'जन्मदिन मुबारक, आनंद। तुम सबसे स्टाइलिश स्नीकर लवर से लेकर सबसे केयरिंग पिता तक, सब कुछ इतने शानदार तरीके से संभालते हो। तुम सिर्फ सोनम के पार्टनर नहीं, बल्कि हमारे परिवार का दिल हो।'

आनंद को पाकर गर्व महसूस करते हैं अनिल

सोनम कपूर ने कई साल डेटिंग के बाद आनंद आहूजा से शादी की। सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने मई 2018 में शादी की थी। इसके बाद अगस्त 2022 में उनके बेटे वायु कपूर आहूजा का जन्म हुआ। अनिल कपूर ने दामाद आनंद की तारीफ करते हुए आगे लिखा, 'तुम्हारा प्यार, शांति और खुशी हमें बहुत खास लगती है। ढेर सारी मस्ती, ड्राइव, सैर, और परिवार के साथ ब्रंच के लिए शुभकामनाएं! हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं और तुम्हें अपना मानकर गर्व महसूस करते हैं। अनिल ने इंस्टाग्राम पर आनंद के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें से एक तस्वीर में दोनों काले कपड़ों और सनग्लासेस में एक जैसे दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों मुस्कुराते हुए कैमरे की ओर देख रहे हैं। इसके अलावा अनिल ने कई और तस्वीरें भी शेयर की हैं। इन तस्वीरों में सोनम कपूर और उनका बेटा वायु कपूर आहूजा भी नजर आ रहा है। उनकी यह तस्वीरें फैंस को बेहद पसंद आ रही हैं। अनिल कपूर जल्द ही एक्शन ड्रामा फिल्म "सूबेदार" में दिखाई देंगे, जिसमें राधिका मदान भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म सूबेदार अर्जुन मौर्य (अनिल कपूर) की कहानी है, जो आम जिंदगी की चुनौतियों का सामना करता है। फिल्म का पहला लुक अनिल के 68वें जन्मदिन पर जारी किया गया। वीडियो में अनिल को एक कुर्सी पर बैठे, हाथ में बंदूक लिए और आंखों में तीव्रता के साथ दिखाया गया। वीडियो में लोग उनके घर के बाहर दरवाजा पीटते और सिपाही को बाहर आने के लिए कहते दिखे। अनिल कहते हैं, "फौजी तैयार है।" वीडियो के कैप्शन में लिखा, "एक खास दिन पर खास घोषणा। सूबेदार जल्द आ रही है।" इस फिल्म का निर्माण अनिल कपूर, विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी ने मिलकर किया है।

हसीनाओं ने छोड़ी लाज शर्म

अगले नंबर पर भूमि पेडनेकर का नाम है. आज वो बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक बन चुकी हैं. ओटीटी पर भी वो अपना नाम बनाने की कोशिश कर रही हैं. वेब सीरीज 'द रॉयल्स' में उनके कई इंटीमेट सीन्स देखे गए थे.

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार काजोल का नाम भी इस लिस्ट में है. कई सालों तक फिल्मी पर्दे पर राज करने के बाद अब ओटीटी में भी वो अपना नाम बना चुकी हैं. वेब सीरीज 'द ट्रायल' में उन्हें कई बार इंटीमेट सीन करते हुए देखा गया.

वेब सीरीज 'द नाइट मैनेजर' में शोभिता धुलीपाला ने खुद से बड़े एक्टर अनिल कपूर संग इंटीमेट सीन किए थे . आदित्य रॉय कपूर संग भी एक्ट्रेस इश्क फरमाते नजर आईं. 'द फैमिली मैन 2' में सामंथा रूथ प्रभु का भी इंटीमेट सीन देखने को मिला था. आजकल एक्ट्रेस साउथ से लेकर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में भी छाई हुई हैं।

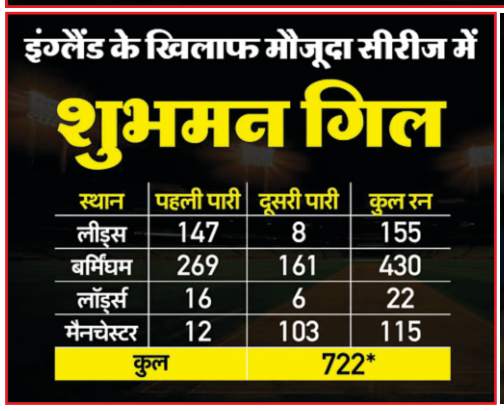

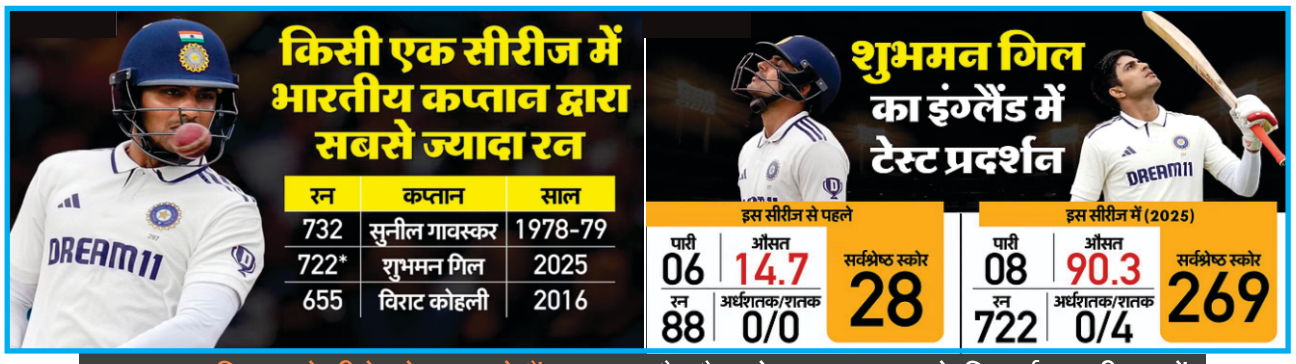

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में शुभमन गिल

स्थान	पहली पारी	दूसरी पारी	कुल रन
लीड्स	147	8	155
बर्मिंघम	269	161	430
लॉर्ड्स	16	6	22
मैनचेस्टर	12	103	115
कुल		722*	

साल 2000 से एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन

बल्लेबाज	रन	सीरीज	साल
स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया)	774	ऑस्ट्रेलिया का इंग्लैंड दौरा	2019
स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया)	769	भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा	2014-15
एलेस्टेयर कुक (इंग्लैंड)	766	इंग्लैंड का ऑस्ट्रेलिया दौरा	2010-11
जो रूट (इंग्लैंड)	737	भारत का इंग्लैंड दौरा	2021-22
शुभमन गिल (भारत)	722*	भारत का इंग्लैंड दौरा	2025

किसी एक सीरीज में भारतीय कप्तान द्वारा सबसे ज्यादा रन

रन	कप्तान	साल
732	सुनील गावस्कर	1978-79
722*	शुभमन गिल	2025
655	विराट कोहली	2016

शुभमन गिल का इंग्लैंड में टेस्ट प्रदर्शन

	इस सीरीज से पहले	इस सीरीज में (2025)
पारी	06	08
औसत	14.7	90.3
रन	88	722
अर्धशतक/शतक	0/0	0/4
सर्वश्रेष्ठ स्कोर	28	269

गावस्कर–स्मिथ को पीछे छोड़ सकते हैं शुभमन, ब्रैडमैन के 95 साल पुराने रिकार्ड पर भी नजरें

स्पोर्ट्स डेस्क। आखिरी टेस्ट में ऋषभ पंत नहीं खेलेंगे और ऐसे में काफी हद तक भारतीय बल्लेबाजी का दारोमदार शुभमन गिल पर ही होगा। गिल ने इस दौरे पर अद्भुत प्रदर्शन किया है और विदेशी जमीन पर उनकी बल्लेबाजी की आलोचना करने वालों को करारा जवाब दिया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला गुरुवार से लंदन के ओवल मैदान में खेला जाएगा। टीम इंडिया फिलहाल सीरीज में 1–2 से पीछे है और इस युवा टीम के पास आखिरी टेस्ट जीतकर सीरीज को बराबर करने का बेहतरीन मौका है। सीरीज की शुरुआत से पहले हर किसी ने शुभमन गिल की अगुआई वाली इस टीम को कम आंका था, लेकिन अब तक इस टीम ने इंग्लैंड की अनुभवी टीम को कड़ी टक्कर दी है। गिल एंड कंपनी चाहेगी कि पिछले इंग्लैंड दौरे की तरह फिर से दोनों टीमों के बीच सीरीज ड्रॉ कराई जाए। आखिरी टेस्ट में ऋषभ पंत नहीं खेलेंगे और ऐसे में काफी हद तक भारतीय बल्लेबाजी का दारोमदार शुभमन गिल पर ही होगा। गिल ने इस दौरे पर अद्भुत प्रदर्शन किया है और विदेशी जमीन पर उनकी बल्लेबाजी की आलोचना करने वालों को करारा जवाब दिया है। गिल अब तक इस सीरीज में चार मैचों की आठ पारियों में 90.25 की औसत और 65.28 के स्ट्राइक रेट से 722 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने चार शतक लगाए हैं। गिल ने इस सीरीज में जब–जब 20 से ज्यादा रन बनाए हैं, उन्होंने उसे शतक में बदला है। उन्होंने पहले टेस्ट में की पहली पारी में 147 रन और दूसरी पारी में आठ रन, दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 269 रन और दूसरी पारी में 161 रन, तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 16 रन और दूसरी पारी में छह रन और चौथे टेस्ट की पहली पारी में 12 रन और दूसरी पारी में 103 रन बनाए हैं। गिल अब तक इस सीरीज में 79 चौके और 12 छक्के लगा चुके हैं।

अब पांचवें टेस्ट में उनके पास चार बड़े रिकॉर्ड्स बनाने का मौका है। उनकी नजरें स्टीव स्मिथ के छह साल पुराने रिकॉर्ड, महान सुनील गावस्कर के 46 साल पुराने रिकॉर्ड और महान सर डॉन ब्रैडमैन के 95 साल पुराने रिकॉर्ड पर होंगी।

1. 21वीं सदी में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन

साल 2000 से किसी एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम है। उन्होंने 2019 में इंग्लैंड दौरे पर एशेज सीरीज में 774 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर भी स्मिथ ही हैं। उन्होंने 2014–15 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 769 रन बनाए थे। वहीं, तीसरे नंबर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक हैं। उन्होंने 2010–11 में इंग्लैंड के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एक सीरीज में 766 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड के ही जो रूट चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने 2021–22 में भारत के इंग्लैंड दौरे पर 737 रन बनाए थे। पांचवें नंबर पर शुभमन गिल हैं। गिल को स्मिथ के 774 रन को पीछे छोड़ने के लिए 52 रन की जरूरत है और वह 21वीं सदी में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

2. भारतीय कप्तान द्वारा एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन

किसी एक टेस्ट सीरीज में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1978–79 में वेस्टइंडीज के भारत दौरे पर टेस्ट सीरीज में 732 रन बनाए थे। गिल के पास गावस्कर को पीछे छोड़ने का मौका है और इसके लिए उन्हें 11 रन बनाने हैं। गिल के पास महान कप्तान बल्लेबाज के रूप में अपनी पहचान बनाने का मौका है। तीसरे नंबर कोहली हैं। उन्होंने 2016 में इंग्लैंड के भारत दौरे पर टेस्ट सीरीज में 655 रन बनाए थे।

3. एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय

गिल के पास एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बनने का भी मौका है। वह गावस्कर के 54 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 53 रन दूर हैं। गावस्कर ने 1970–71 में भारत के वेस्टइंडीज दौरे पर 774 रन बनाए थे। इसके बाद दूसरे नंबर पर भी गावस्कर ही हैं, जिन्होंने 1978–79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 732 रन बनाए थे। 722 रन बना चुके गिल का नंबर इसके बाद आता है। वह गावस्कर के इन दोनों आंकड़ो को पीछे छोड़ सकते हैं।

4. एक टेस्ट सीरीज में ओवरऑल सबसे ज्यादा रन

एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। उन्होंने साल 1930 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 974 रन बनाए थे। गिल 95 साल पुराने इस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकते हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें आखिरी टेस्ट में 253 रन बनाने की जरूरत होगी। गिल इस सीरीज के दूसरे टेस्ट यानी एजबेस्टन टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जमाया था। तब उन्होंने पहली पारी में दोहरा शतक लगाया था। उन्होंने कुल मिलाकर उस टेस्ट में 430 रन बनाए थे। गिल अगर एक बार फिर यही कमाल करते हैं तो खुद का नाम इतिहास में दर्ज करवा लेंगे। वह जिस फॉर्म में चल रहे हैं, उसमें ब्रैडमैन को पीछे छोड़ना उनके लिए मुश्किल नहीं होगा।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

द्रविड़ से विश्वनाथ तक...

ओवल में इन भारतीयों का रहा बोलबाला शीर्ष–पांच में केएल राहुल भी शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क। ओवल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों की लिस्ट में सिर्फ केएल राहुल ही ऐसे खिलाड़ी जो अब भी एक्टिव हैं। उन्होंने दो टेस्ट मैचों की चार पारियों में एक शतक की मदद से 249 रन बनाए हैं। इस मैदान पर उनका सर्वाधिक स्कोर 149 रन का है। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 जुलाई (गुरुवार) से द ओवल में खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम जीत के साथ सीरीज का समापन 2–2 की बराबरी के साथ करना चाहेगी। फिलहाल मेजबान टीम 1–2 से आगे चल रही है। इंग्लैंड ने लीड्स और लॉर्ड्स में जीत हासिल की जबकि भारत को बर्मिंघम टेस्ट में जीत मिली। वहीं, मैनचेस्टर में खेला गया चौथा टेस्ट मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अब दोनों टीमें ओवल में भिड़ेंगी, जहां भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्ड शानदार है।

शीर्ष–पांच बल्लेबाजों में सिर्फ केएल राहुल एक्टिव

इस मैदान पर भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है। रिकॉर्ड्स की बात करें तो पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने ओवल में कुल तीन मैच खेले। इनमें उन्होंने 110.75 के औसत से बल्लेबाजी करते हुए 443 रन बनाए। इस मैदान पर उन्होंने दो शतक और एक अर्धशतक लगाए हैं। दूसरे स्थान पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने तीन अर्धशतकों की मदद से 272 रन बनाए। ओवल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों की लिस्ट में सिर्फ केएल राहुल ही ऐसे खिलाड़ी जो अब भी एक्टिव हैं। उन्होंने दो टेस्ट मैचों की चार पारियों में एक शतक की मदद से 249 रन बनाए हैं। इस मैदान पर उनका सर्वाधिक स्कोर 149 रन का है।

भारत चैंपियंस का कमाल

14 ओवर के अंदर 145 रन चेज कर अंतिम–चार में बनाई जगह, कल पाकिस्तान से मुकाबला

स्पोर्ट्स डेस्क। अब सेमीफाइनल में भारत का सामना 31 जुलाई को पाकिस्तान चैंपियंस से होगा। हालांकि, यह मैच होगा या नहीं, इसकी अभी तक कोई पुष्टि नहीं है, क्योंकि भारत ने लीग राउंड के दौरान पाकिस्तान से मुकाबले का बहिष्कार किया था और खेलने से इनकार कर दिया था। विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। मंगलवार को युवराज सिंह की अगुआई वाली भारत चैंपियंस टीम ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 144 रन बनाए। भारतीय टीम को अंतिम–चार में स्थान पक्का करने के लिए यह लक्ष्य 14.1 ओवर में चेज करना था, लेकिन टीम इंडिया ने 13.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की जी के हीरो स्टुअर्ट बिन्नी और यूसुफ पठान रहे।

31 जुलाई को ही खेले जाएंगे दोनों सेमीफाइनल

अब सेमीफाइनल में भारत का सामना 31 जुलाई को पाकिस्तान चैंपियंस से होगा। हालांकि, यह मैच होगा या नहीं, इसकी अभी तक कोई पुष्टि नहीं है, क्योंकि भारत ने लीग राउंड के दौरान पाकिस्तान से मुकाबले का बहिष्कार किया था और खेलने से इनकार कर दिया था। यह देखने वाली बात होगी कि भारत चैंपियंस की टीम क्या फैसला करती है। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में एबी डिविलियर्स की अगुआई वाली दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीम ब्रेट ली की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम से 31 जुलाई को ही भिड़ेगी। अंक तालिका में पाकिस्तान शीर्ष पर रहा, जबकि दक्षिण अफ्रीका दूसरे, ऑस्ट्रेलिया तीसरे और भारत चौथे स्थान पर रहा।

ओवल के पिच क्यूरेटर से भिड़े गंभीर

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मंगलवार को ओवल के पिच क्यूरेटर से बहस हो गई। इसका वीडियो सामने आया है। हालांकि, अब तक मामले की वजह सामने नहीं आई है। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मंगलवार को ओवल के पिच क्यूरेटर से बहस हो गई। इसका वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, अब तक मामले की वजह सामने नहीं आई है। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला 31 जुलाई से द ओवल में खेला जाएगा। टीम इंडिया इस मैच में जीत के साथ सीरीज का समापन 2–2 की बराबरी के साथ करना चाहेगी। फिलहाल, मेहमान टीम मौजूदा सीरीज में 1–2 से आगे चल रही है।

गंभीर और पिच क्यूरेटर के बीच हुई बहस

समाचार एजेंसी पीटीआई की तरफ से जारी किए गए वीडियो में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के बीच बहस होती दिख रही है। इस दौरान गंभीर पिच क्यूरेटर को हाथ से जाने का इशारा करते हैं। वीडियो में सितांशु कोटक को बीच बचाव करते देखा जा सकता है। हालांकि, इस विवाद की असली वजह अब तक सामने नहीं आई है।